मानव जीवन विकास समिति

मासिक पत्रिका

(जनवरी 2024)

आंगनवाड़ी सुपोषण अभियान

कुपोषण से सुपोषण की अभिनव पहल .....!

मानव जीवन विकास समिति विगत कई वर्षो से जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ मिलकर जिले को कुपोषण मुक्त काम कर ही रही है। इसी के साथ ही जिला कलेक्टर महोदय के 25/12/2023 की अपील के अनुसार समिति ने जिले के बड़वारा और ढ़ीमरखेड़ा ब्लाक की 33 पंचायत के 80 गांव की 115 आंगनवाड़ीयों का सर्वे कराकर कुपोषित व अतिकुपोषित 330 बच्चों को गोद लेकर सुपोषित बनाने मिशन चलाया। हाल ही मे 31 जनवरी 2023 को बड़वारा के ग्राम पंचायत भवन मे और ढ़ीमरखेड़ा के मंगल भवन मे कार्यक्रम आयोजित कर प्रति ब्लाक 100-100 बच्चों को पोषण किट वितरण किया गया। कार्यक्रम के दौरान कुपोषित बच्चे एवं माताऐं उपस्थित होकर पोषण आहार किट प्राप्त कर खुशी जाहिर की मात्रशक्तियों के चेहरे खुशी से भर गये। उपस्थित अधिकारी, कर्मचारीए, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं समाज सेवियो ने सभी माताओं से अपील की है कि बच्चों को सुपोषण बनाने मे आपका महत्वपूर्ण सहयोग देना होगा। पोषण किट के अलावा बच्चों के देखभाल, साफ सफाई और खानपान के समय मे देना होगा ध्यान तभी तो बच्चे सुपोषित होंगे। कुपोषण के कलंक को जड़ से खत्म करना है तो आईये हम सब मिलकर इस मिशन को सफल बनाते है।

बड़वारा मे आयोजित कार्यक्रम के दौरान मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह ने कहा की हम पोषण आहार किट देने के बाद चुप नही बैठेंगे ऐसे सभी परिवार मे पोषण वाटिका लगवायेंगे ताकि पूरा परिवार स्वास्थ्य होगा। इसके बाद परिवार को स्वरोजगार की दिशा मे ले जाकर व्यवसायिक सब्जी उत्पादन, पशुपालन एवं अन्य व्यावसाय से जोड़ने प्रयास करेंगे। कार्यक्रम मे महिला बाल विकास विभाग अधिकारी, सेक्टर प्रभारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह , समस्त समिति स्टाफ सहित अन्य समाजसेवियो की भागीदारी रही है।

जैविक खेती को मिल रहा बढ़ावा

मानव जीवन विकास समिति द्वारा कार्यक्षेत्र दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा व जबेरा ब्लॉक तथा कटनी जिले के बड़वारा व ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक की 60 पंचायत के 155 गांव मे 7750 किसानों के साथ गेहूं व सब्जी की खेती जैविक तरीके से कराया गया है। जैविक खेती कर रहे किसानों को कृषि व उद्यानिकी विभाग से जोड़कर सरकारी योजना के तहत गेहूं, सरसो और सब्जी का बीज 422 किसानों को दिलाया गया है जिससे किसान राहत भरी सांस का अनुभव कर रहे है।

जैविक खेती को बढ़ावा देने किसानों के साथ मिलकर जैविक खाद व दवाईयां बनायी गई। जिसमे मुख्यतः कम्पोस्ट खाद, वर्मी कम्पोस्ट खाद और अग्निअस्त्र, मठास्त्र, नीमास्त्र, दसपर्णी, जीवामृत, घन जीवामृत, ब्रम्हास्त्र आदि प्रकार की दवाईयां किसान तैयार कर अपने खेत मे उपयोग कर रहा है।

रासायनिक खेती कर रहे किसानों की तुलना मे गैर कीटनासी प्रबंधन आधारित खेती से किसानों को 20 से 30 प्रतिशत अधिक लाभ मिल रहा है। किसी भी प्रकार की फसलो की बीमारी के रोकथाम के लिए रासायनिक खाद औश्र बीज की दुकान का चक्कर अब काटना पड़ता। किसान स्वयं अपने घरो मे ही जैविक खाद और जैविक कीटनाशक दवाईया तैयार कर खेती मे उपयोग कर लेते है। इससे यह साफ पता चलता है कि किसानों की कही न कही दुकानो पर निर्भरता कम हो रही है।

गैर कीटनाशी प्रबंधन

मानव जीवन विकास समिति द्वारा खेती मे लागत कम करने के परिपेक्ष्य मे बहुत सारे तरीके किसानों को अपनाने बताये जा रहे है। गैर कीटनाशी प्रबंधन प्रणाली किसानो के लिए बरदान साबित हो रहा है। इस प्रणाली से किसान फसल पर आसानी से कीट नियंत्रण पा लेता है। साथ ही साथ किसान पशुपालन को भी प्राथमिक रहा है। पशुपालन से किसान को घर पर ही गौमूत्र, गोबर उपलब्ध हो जाता है जिससे गैर कीटनाशी दवाईया व खाद बनाने मे मदद मिलती है। जैसा की आप देख ही हरे है कि गौमूत्र, दसपर्णी, अग्निअस्त्र, जीवामृत, आदि किसान तैयार कर खेत मे उपयोग कर रहे है। जैविक दवाईया बनाने मे कटनी और दमोह जिले के 145 किसान और समूह सदस्य लगे है।

जीवामृत : जीवामृत खाद मिट्टी मे सूक्ष्म जीवो की वृद्धि करने मे सहायक होते है। इस तरल खाद मे अधिक मात्रा मे सूक्ष्म जीव होते है जो मिट्टी मे भी गुणात्मक वृद्धि से मिट्टी को सजीव बनाते है और यही सूक्ष्म जीव पौधों को पोषक तत्व उपलब्ध कराने मे सहायक होते है।

घन जीवामृत : यह बहुत ही उपयोगी खाद है। इसे किसान डी.ए.पी. के स्थान पर उपयोग कर रहे हैं, इसे खेत में डालते समय मिट्टी में पर्याप्त नमी होना आवश्यक है।

अग्निअस्त्र : यह तना छेदक व रस चूसक दोनों ही प्रकार के कीटो को नियंत्रित करने के लिए उपयोग में लाया जाता हैं यह अत्यंत तीब्र असरकारक होता हैं किसान इसका भी उपयोग कर रहे है।

लमित : रस चूसक कीट से नियंत्रण पाने के लिए किसानो द्वारा लमित तैयार कर फसलो मे डाला जा रहा है।

जैविक खाद प्रबंधन

कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक मे 68 और ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक मे 46 भूनाडेप बनवाये गये है।

भूनाडेप खाद : यह एक प्रकार का जैविक खाद है जो खेती के काम आती है।

पौधों के विकास मे सहायक : भूनाडेप खाद मे नामकरणतत्वों की अच्छी मात्रा होती है जो पौधों के विकास लिए आवश्यक है।

मिट्टी की गुणवत्ता मे सुधार : यह मिट्टी को उपर्युक्त गुणवत्ता प्रदान करती है जिससे पौधों का अच्छा विकास होता है।

पौधों की संरक्षा : यह पौधों को बीमारियों और कीटों से बचाने मे मदद करती है।

जल संचयन की क्षमता : भूनाडेप खाद जल संचयन की क्षमता बढ़ाती है जो सूखे के समय मे पौधों के लिए महत्वपूर्ण होताहै।

दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा और जबेरा ब्लॉक मे 30 किसान वर्मी कम्पोस्ट खाद तैयार किया है।

वर्मी कम्पोस्ट खाद : यह एक अच्छी किस्म की खाद मानी जाती है। साधारण कम्पोस्ट और गोबर की तुलना मे अधिक लाभदायक है। वमीकम्पोस्ट खाद भूमि मे रासायनिक उर्वरक के विषैले प्रभाव को कम करता है। वर्मी कम्पोस्ट भूमि के कार्बनिक पदार्थो की मात्रा को बढ़ाता है। इसके प्रयोग से लाभदायक जीवाणु की सख्या मे वृद्धि होती है। भूमि की जल धारण क्षमता भी बढ़ती है। मृदा की संरचना मे सुधार आता है और फसल उत्पादन क्षमता बढ़ती है।

कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक मे 12 नाडेप बनवाये गये है।

नाडेप खाद : नाडेप विधि खाद तैयार करने की बहुत प्रचलित विधि है इसमें 5 फिट चौंडाई व 12 फिट लम्बाई में भूमि को समतल कर साफ कर लिया जाता है फिर ईटों की सहायता से 9 इंच चौड़ाई की दीवालें तैयार कर बनाया जाता है। यह दीवालें रंध्रयुक्त (जिनमें छिद्र किए जाते हैं) होती हैं। इसे 4 फिट ऊँचाई का बनाया जाता है।

नाडेप कम्पोस्ट प्यावरण की दृष्टि से बहुत ही लाभदायक होता है। इसके प्रयोग से भूमि की गुणवत्ता मे अद्भुत सुधार होता है। भूमि की जल धारण करने की क्षमता मे वृद्धि होती है। नाडेप खाद खेती की लागत को 20 से 30 प्रतिशत तक कम करता है और मुनाफा को डेढ़ से दा गुना तक बढ़ाता है।

किचन गार्डन

मानव जीवन विकास समिति द्वारा कार्यक्षेत्र के किसानों को किचन गार्डन तैयार करने आगे बढ़ाया जा रहा है। ऐसे लगभग 500 किसान किचन गार्डन तैयार कर 10 प्रकार के सब्जी का उत्पादन कर रहे है। आशा है कि प्रत्येक किसान को अपने किचन गार्डन से सप्ताह मे 500 से 1000 रूपये तक की बचत हो रही है। साथ ही बिना रासायनिक खाद और रासायनिक दवाईयों के अच्छी गुणवत्ता वाली सब्जी भी आसानी से उपलब्ध हो जाती है। जैविक सब्जी के प्रयोग से मनुष्य पर होने वाली बीमारियों पर भी कमी आई है। हरी सब्जियों मे देखा जाये तो पालक, मेथी, लाल भाजी, गोभी, टमाटर, मिर्ची, प्याज, धनिया, मेली, गाजर, आलू सभी प्रकार की सब्जियों का उत्पादन किया जा रहा है।

आलू, टमाटर, मिर्ची, गोभी और प्याज की फसल ज्यादा मात्रा मे 100 किसान करने को तैयार हुये है। इससे यह अंदाजा लगाया जा सकता है कि किचिन गार्डन के अलावा जब किसान बल्क मे सब्जी का उत्पादन करेगा तो अच्छी आमदनी भी कमा सकता है। इसके लिए विचार किया जा रहा है कि जैविक सब्जी का बाजार भी अलग से लगाया जाये ताकि किसान जैविक सब्जी का अच्छा मूल्य प्राप्त कर सके।

कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक मे 254 किचिन गार्डन, ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक मे 150 किचिन गार्डन तैयार कराये गये।

दमोह जिले के तेन्दखेडा ब्लॉक मे 100 किचिन गार्डन, जबेरा ब्लॉक मे 100 किचिन गार्डन तैयार कराये गये है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा

सरकार के माध्यम से विकसित भारत संकल्प यात्रा का आयोजन प्रत्येक गांव गांव मे किया गया। इस कार्यक्रम से प्रभावित होकर मानव जीवन विकास समिति अपने कार्यकर्ता साथियों की मदद से गांव गांव मे मोबलाईजेशन कर यात्रा मे अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने का काम किया है ताकि कोई भी व्यक्ति सरकार की योजना का लाभ लेने से वंचित न रहे। सरकार की विभिन्न प्रकार की योजनाओं को सम्बंधित अधिकारियों की सहायता विकसित भारत संकल्प यात्रा के तहत पात्र हितग्राहियों के आवेदन भी भरवाये गये है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के दौरान कटनी जिले के बड़वारा और ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक के 52 गांव मे तथा दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा और जबेरा ब्लॉक के 22 गांव मे समिति कार्यकर्ताओं ने अधिक से अधिक लोगों को सरकारी योजना से जोड़ने का काम किया है। मुख्यतः प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्जवला योजना, किसान सम्मान निधि योजना, सामाजिक सुरक्षा योजना को फोकस करते हुये लगभग 550 हितग्राहियों के आवेदन भरवाने का काम किया है। यह भी बताया गया है कि इन सभी आवेदनों पर ग्रामसभा मे जाकर प्रस्तावित भी कराये ताकि आपके आवेदनों पर विचार किया जा सके और पात्र हितग्राही को योजना का लाभ मिल सके।

ग्रामसभा का आयोजन

ग्रामसभा : लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण आयोजन माना जाता है इसके माध्यम से ग्राम पंचायत का विकास कार्य कराया जाता है। इसके लिए पंचवर्षीय योजना के तहत डीपीआर तैयार किया जाता है जिसमे से प्रत्येक वर्ष के लिए वार्षिक कार्ययोजना तय किया जाकर ग्रामसभा के माध्यम से प्रस्ताव पारित कर कार्य कराये जाते है। इसके लिए समिति अपने साथियों की मदद से गांव गांव मे ग्रामसभा जागरूकता कार्यक्रम चलाकर लोगों को अधिक से अधिक ग्रामसभा मे जाने के लिए प्रेरित किया गया है। जागरूकता कार्यक्रम का असर सभी ग्रामसभा मे देखने को मिला है। ग्रामसभा मे लोगों की भागीदारी 30 से 40 प्रतिशत तक बढ़ी है और सभी ने अपनी समस्या का प्रस्ताव भी ग्रामसभा मे रखा है। ग्रामसभा प्रस्ताव का अनुमोदन भी उपस्थिति ग्रामसभा सदस्यों के द्वारा कराया गया है।

कटनी जिले के बड़वारा ब्लॉक के 39 गांव मे एवं ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक के 14 गांव मे समिति कार्यकर्ता और ग्राम विकास समिति सदस्य एवं स्व सहायता समूह की महिला सहित ग्रामसभा सदस्यों की अच्छी भागीदारी रही।

ग्रामसभा मे अच्छा माहौल देखने को मिला, लोगों ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया और समस्याओं के प्रस्ताव रखे।

बड़वारा ब्लॉक के गांव मे 465 आवेदन ग्रामसभा मे अलग अलग समस्या के प्रस्ताव रखे गये।

ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक के गांव मे 168 आवेदन ग्रामसभा मे अलग अलग समस्या के प्रस्ताव रखे गये।

एलाइव (एफपीओ) एसएचजी ब्रांड

मानव जीवन विकास समिति द्वारा एलाईव (एफपीओ) का गठन कर स्वयं सहायता समूहों द्वारा निर्मित जैव उत्पाद एवं हस्तकला शिल्प वस्तुओं को दूर दूर तक अपनी पहचान स्थापित करने मे कोई कोर कसर नही छोड़ा है। विभिन्न प्रकार के जैव उत्पादों को प्रदर्शनी के माध्यम से बेचा जा रहा है साथ ही उपयोगी क्रिया विधि को भी पम्पलेट के माध्यम से बताया जा रहा हैं। समूहो द्वारा प्रत्येक महीने प्रत्येक सदस्य 1000 से 1500 रूपये तक की आमदनी कमा रहे है।

एलाईव (एफपीओ) के माध्यम से हल्दी, धनिया, मिर्ची, हनी, काला गेहू, कोदो, कुटकी, ज्वार आदि की बिक्री 5417 रूपये की हुई है। इसी के साथ खादी के बैडसीट, गमछा, स्टोप 1900 रूपये की बेची गई है।

मानव जीवन विकास समिति द्वारा एलाईव (एफपीओ) के माध्यम से बांस हस्तकला शिल्प का प्रदर्शनी मे बांस से निर्मित विभिन्न कलात्मक वस्तुओं के सहारे बाजार की शोभा बढ़ाने के साथ साथ अपनी आय को भी 7500 से 15000 रूपये तक दोगुनी कर रहे है। बांस की अद्भुत कला से खिलौने, बाक्स, टोपी, डलिया, बाटल और ज्वेलरी के के भी सामान बनाये जा रहे है। बांस की वस्तुऐं बनाने के साथ हम समिति की मदद से बांस शिल्पकारों को प्रशिक्षित करने का भी काम कर रहे है। आने वाले समय मे ऐसे कलाकारों की संख्या और बढ़ेगी और हम अधिक मात्रा मे उत्पादो को दूर दूर तक ले जाकर बाजार मे उपलब्ध करा सकते है।

ग्रामीण पर्यटन

मानव जीवन विकास समिति द्वारा मध्यप्रदेश ग्रामीण पर्यटन विभाग की मदद से होमस्टे डेवलप करने मध्यप्रदेश के कटनी, उमरिया, डिण्डौरी, दमोह और सीहोर जिले के 7 गांव मे 65 होमस्टे बनाने का काम किया जा रहा है। जिसमे से उमरिया जिले के मरईकला मे 2 और कटनी जिले के कोनिया गांवमे 2 हितग्राही के यहां जल्द ही मकान तैयार होने की स्थिति मे है। इसके साथ की दूसरे हितग्राही के मकान निर्माण कार्य भी तेजी से चल रहा है।

होमस्टे निर्माण कार्य बहुत ही तेजी गति से चल रहा है। कही पर छत का कार्य तो कही पर दिवाल का कार्य चल रहा है। लोगों की रूचि बढ़ रही है काम तेजी से बढ़ रहा है जैसे ही निर्माण कार्य पूरा होगा अतिथियों का आगमन होमस्टे मे शुरू होगा। यह कार्य से गांव मे संभावनाये है की लोगों को अपने घर पर ही रोजगार के अलावा लोगों को होटल और लॉज जैसे सुविधा मुहैया करा सकते है। यहां पर रूकने वाले अतिथियों को लोकल प्राकृतिक, धार्मिक और सांस्कतिक गतिविधियों के साथ लोकल आर्ट का भी आनंद मिलेगा।

जैसे जैसे लोगों की रूचि बढ़ती जा रही है वैसे वैसे हितग्राही का चयन कर लेआउट डालने की प्रक्रिया पूर्ण करायी जा रही है। डिण्डौरी जिले के सरवाही गांव मे दमोह जिले के रिचकुड़ी और सिंग्रामपुर गांव मे नये हितग्राहियों के यहां लेआउट मध्यप्रदेश ग्रामीण टूरिज्म विभाग के इंजीनियर के द्वारा डाला गया। भूमि पूजन के बाद जल्द ही नींव का काम शुरू हो जायेगा।

वन अधिकार समिति सदस्यों के साथ बैठक

कटनी जिले के ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक के अलग अलग गांव मे वन अधिकार समिति सदस्यों के साथ 22 बैठक किया गया जिसमे 440 समिति सदस्यों की भागीदारी रही है। समिति सदस्य बहुत ही सक्रीयता से अपने अधिकारों को पाने के लिए उत्सुक है। जानकारी के अभाव मे किसान अपने अधिकारों से वंचित है। कटनी जिले का ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक आदिवासी बाहुल्य है यहां पर अधिकांश जनजातियां वनो पर आधारित है। इसके अलावा जंगल की भूमि को कब्जा कर पेड़ पौधे के बिना नुकसान पहुचाये कृषि कार्य मे भी लगे हुये है। कृषि मे देखा जाये तो सिंचाई का साधन न होने से एक फसली फसल का उत्पादन ही कर पा रहे है। किसानों का मानना है कि काबिज भूमि का यदि अधिकार पत्र मिल जाये तो अच्छा होगा ताकि हम किसान बिना दबाव के काबिज भूमि पर स्वतंत्रता से खेती कर सके।

जमीन का अधिकार पत्र किसान के पास नही होने से जंगल विभाग के अधिकारी आये दिन परेशान करते रहते है। इसी के कारण स्थायी रूप से किसान कब्जा होने के बाद भी खेती नही कर पाता है। मानव जीवन विकास समिति अपने कार्यकर्ताओं की मदद से वन अधिकार अधिनियम की जानकारी किसानों को दिया है। वन अधिकार समिति के साथ मिलकर किसानों की समस्याओं पर काम करना है समिति को सक्रीय करना है, बैठक कर वन अधिकार से सम्बंधित समस्याओं का प्रस्ताव पारित विभाग को जानकारी देना और समस्या समाधान कराने की पहल करना। यह भी तय किया गया की जो भी किसान 13 दिसम्बर 2005 के पहले से वन भूमि पर काबिज है उसे साक्ष्य के आधार पर अधिकार पत्र दिलाने की कार्यवाही की जाये। सरकार के एमपी वन एप्प मित्र पोर्टल पर कम्पलीट डाक्युमेंट के साथ आनलाईन आवेदन कराया जायेगा ताकि काबिजों को वन भूमि का अधिकार पत्र मिल सके।

एम.पी. वनमित्र पोर्टल मे पंजीयन

म.प्र. शासन, आदिम जाति कल्याण विभाग

एम.पी. वनमित्र पोर्टल

एम.पी. वनमित्र

दावेदार द्वारा प्रस्तुत वन अधिकार के दावे की पावती (दावेदार के लिए)

दावा क्रमांक	N148900100037 (पुनर्विचार क्रमांक : 1694250001)	लॉग इन आईडी :	sattars71
दावेदार का नाम	सत्तर सिंह	मोबाइल नंबर :	6266288748
पता	ग्राम : दैगवाँ विकासखण्ड : ढीमखेड़ा जिला : कटनी	ग्राम पंचायत :	महगवाँ उपखण्ड : ढीमखेड़ा

दावेदार की ओर से **व्यक्तिगत वन अधिकार** दावे के साथ नीचे लिखे प्रपत्र / दस्तावेज / साक्ष्य प्राप्त हुए।

क्र.	दस्तावेज का प्रकार	प्रपत्र / दस्तावेज / साक्ष्य	
1.	व्यक्तिगत वन अधिकार दावा	भरा हुआ और हस्ताक्षरित व्यक्तिगत दावा	✔
2.	फोटो पहचानपत्र	आधार कार्ड	✔
3.	परिवार का पहचानपत्र	राशन कार्ड / राशन पर्ची	✔
4.	जाति सिद्ध करने का साक्ष्य	जाति प्रमाणपत्र	✔
5.	निवास का साक्ष्य	निवास प्रमाणपत्र	✔
6.	वन भूमि पर काबिज होने का साक्ष्य (13.12.2005 के पूर्व का)	6.1 (ख) मतदाता पहचानपत्र, राशनकार्ड, पासपोर्ट, गृहकर रसीदें, मूल निवास प्रमाणपत्र जैसे सरकारी प्राधिकृत दस्तावेज	✔
		6.2	✘
		6.3	✘
		6.4	✘
		6.5	✘
7.	वारिसान की जानकारी	7.1	✘
		7.2	✘
		7.3	✘
		7.4	✘
8.	अन्य दस्तावेज	अन्य दस्तावेज	✔

दावा प्राप्ति दिनांक : 29-Jan-2024 08:21:37 PM IP Address : 49.35.208.56

यह सिस्टम जनरेटेड पावती है। हस्ताक्षर आवश्यक नहीं है।

मानव जीवन विकास समिति अपने फील्ड कार्यकर्ताओं की सहायता से कटनी जिले के ढ़ीमखेड़ा ब्लॉक के किसानों को एमपी वनमित्र पोर्टल मे काबिज भूमि का दावा फार्म भरवाने की जानकारी के साथ गांव गांव मे जाकर किसानों के साथ बैठकर आवश्यक डाक्युमेंट इकट्ठा कराकर एमपी आनलाईन के माध्यम से मुहल्ले, गांव और पंचायत मे लोगों को ले जाकर आवेदन भरवाया। समिति के माध्यम से घर पहुंच सर्विस की सेवा भी उपलबध कराई गई, सभी पात्र हितग्राही सेवा का लाभ उठा रहे है। दावा फार्म भरवाने के पूर्व ही मानव जीवन विकास समिति कार्यकर्ताओ ने तैयारी कर रखी थी जिससे आनलाईन आवेदन भरने मे कोई समस्या नही हो रही है। पात्र हितग्राही अपने दस्तावेज के साथ पहुंचकर दावा फार्म भरवा रहे।

- 56 पात्र व्यक्तियों के व्यक्तिगत वन अधिकार दावा और अपील एमपी वनमित्र पोर्टल मे प्रस्तुत कराये गये।
- 15 पात्र व्यक्तियों के लंबित दावा पर पुनः विचार हेतु आवेदन प्रस्तुत कराया गया।
- आवेदन भरवाने की प्रक्रिया लगातार जारी है।

सरकारी योजना से लाभान्वित

कृषि विभाग की किसान कल्याण योजना के तहत कटनी जिले के ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक के कुदरा गांव निवासी मुल्लू सिंह को समिति के प्रयास से 50 पाईप सिंचाई हेतु उपलब्ध कराये गये।
मुल्लू सिंह का मानना है कि मानव जीवन विकास समिति के प्रयास से यह काम सफल हो पाया है। समिति कार्यकर्ताओं ने मेरे दस्तावेज इकट्ठे कराकर आनलाईन फार्म भरवाया था जो लाटरी के माध्यम से मेरा चयन हुआ है। कृषि सिंचाई उपकरण पाईप की मदद से मुल्लू सिंह अब अपने एक एकड़ खेत को आसानी से सिंचाई कर सकेगा।
दमोह जिले के जबेरा ब्लॉक के 1 किसान को 18 पाईप और 3 नोजल प्राप्त हुआ है जिसकी मदद से अब किसान स्प्रिंकलर सेट से खेत की सिंचाई कर सकेगा।

कृषि विभाग के आत्मा योजनान्तर्गत दमोह जिले के तेन्दुखेड़ा ब्लॉक के 15 किसान और जबेरा ब्लॉक के 4 किसान को तथा कटनी जिले के ढ़ीमरखेड़ा ब्लॉक के 1 किसान को स्प्रे पम्प दिलाया गया। स्प्रे पम्प की मदद से किसान आसानी से जैविक दवाईयों का छिड़काव कर सकेगा।

किसानों की अभिरूचि के अनुसार कृषि विभाग की किसान कल्याण योजना के तहत आनलाईन आवेदन भरवाने का काम समिति कार्यकर्ताओं द्वारा कराया गया था जो कि लाटरी सिस्टम से किसानों को प्राप्त होता है इसका लाभ सीधे किसान को मिल रहा है।

मानव जीवन विकास समिति हमेशा से किसानो के हित मे काम किया है। किसानों के स्थायी आजीविका सुनिश्चित कराने लगातार प्रयासरत है।

उत्कृष्ट कृषि कार्य पुरस्कार

म.प्र. शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग (आत्मा)
जिला-दमोह (म.प्र.)
सर्वोत्तम विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार
वर्ष 2023-24
प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती भगवान सिंह आत्मज/पत्नि श्री मुन्नार सिंह ग्राम नरगुवां विकासखण्ड तेंदूखेड़ा जिला दमोह को आधार वर्ष 2022-23 एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 विषय पशुपालन में कृषि विभाग की आत्मा योजनांतर्गत सर्वोत्तम विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार प्राप्त हुआ, योजनांतर्गत रूपये 10000/- अंकन दस हजार रुपये मात्र की राशि प्रमाण-पत्र सहित प्रदान की जाती है।
शुभकामनाओं सहित...
दिनांक : 25-01-2024
परियोजना संचालक (आत्मा)
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
जिला-दमोह (म.प्र.)
कलेक्टर एवं अध्यक्ष

म.प्र. शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग (आत्मा)
जिला-दमोह (म.प्र.)
सर्वोत्तम विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार
वर्ष 2023-24
प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती गोविंद सिंह गौड़ आत्मज/पत्नि श्री रामप्रसाद गौड़ ग्राम चन्नौर विकासखण्ड तेंदूखेड़ा जिला दमोह को आधार वर्ष 2022-23 एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 विषय कृषि में कृषि विभाग की आत्मा योजनांतर्गत सर्वोत्तम विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार प्राप्त हुआ, योजनांतर्गत रूपये 10000/- अंकन दस हजार रुपये मात्र की राशि प्रमाण-पत्र सहित प्रदान की जाती है।
शुभकामनाओं सहित...
दिनांक : 25-01-2024
परियोजना संचालक (आत्मा)
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
जिला-दमोह (म.प्र.)
कलेक्टर एवं अध्यक्ष

म.प्र. शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग (आत्मा)
जिला-दमोह (म.प्र.)
सर्वोत्तम विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार
वर्ष 2023-24
प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती अमर सिंह गौड़ आत्मज/पत्नि श्री तेजी सिंह गौड़ ग्राम बटेरिया विकासखण्ड तेंदूखेड़ा जिला दमोह को आधार वर्ष 2022-23 एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 विषय मत्स्य में कृषि विभाग की आत्मा योजनांतर्गत सर्वोत्तम विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार प्राप्त हुआ, योजनांतर्गत रूपये 10000/- अंकन दस हजार रुपये मात्र की राशि प्रमाण-पत्र सहित प्रदान की जाती है।
शुभकामनाओं सहित...
दिनांक : 25-01-2024
परियोजना संचालक (आत्मा)
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
जिला-दमोह (म.प्र.)
कलेक्टर एवं अध्यक्ष
आत्मा गवर्निंग बोर्ड
जिला-दमोह (म.प्र.)

म.प्र. शासन
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग (आत्मा)
जिला-दमोह (म.प्र.)
सर्वोत्तम विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार
वर्ष 2023-24
प्रमाण-पत्र
प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमती धर्मेन्द्र सिंह गौड़ आत्मज/पत्नि श्री भुवन सिंह गौड़ ग्राम चन्नौर विकासखण्ड तेंदूखेड़ा जिला दमोह को आधार वर्ष 2022-23 एवं वित्तीय वर्ष 2023-24 विषय उद्यानिकी में कृषि विभाग की आत्मा योजनांतर्गत सर्वोत्तम विकासखण्ड स्तरीय कृषक पुरस्कार प्राप्त हुआ, योजनांतर्गत रूपये 10000/- अंकन दस हजार रुपये मात्र की राशि प्रमाण-पत्र सहित प्रदान की जाती है।
शुभकामनाओं सहित...
दिनांक : 25-01-2024
परियोजना संचालक (आत्मा)
किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग
जिला-दमोह (म.प्र.)
कलेक्टर एवं अध्यक्ष
आत्मा गवर्निंग बोर्ड
जिला-दमोह (म.प्र.)

न्यूज़ कवरेज

मानव जीवन विकास समिति ने 330 बच्चों को लिया गोद

कुपोषण से सुपोषण की अभिनव पहल : प्रशासनिक पहल मानव जीवन विकास समिति ने 330 बच्चों को लिया गोद

बड़वारा और ढीमरखेड़ा ब्लॉक के 330

plessamachar.in

अनूपपुर - दमोह - कटनी

कटनी जिले को कुपोषणमुक्त बनाने मानव जीवन विकास समिति की अभिनव प

सर्वे कर 80 गांवों के 330 कुपोषित को सुपोषित बनाने समिति ने लिया

पीपुल्स संवाददाता ● कटनी
मो.नं. 9584049557

मानव जीवन विकास समिति विगत कई वर्षों से जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ मिलकर जिले को कुपोषण मुक्त करने काम कर रही है। इसी

नही बैठेंगी। ऐसे स वाटिका लगवायेंगे स्वास्थ्य हो सके। इसके बाद परिवार दिशा में ले जाकर उत्पादन, पशुपा व्यावसाय से जोड़ इस दौरान मान

कुपोषण से सुपोषण की अभिनव पहल : 33 पंचायतों के 80 गांव की 115 आंगनबाड़ियों का सर्वे

सुपोषित होंगे गोद लिए गए 330 बच्चे

कटनी, देशबन्धु। मानव जीवन विकास समिति विगत कई वर्षों से जिला प्रशासन और महिला एवं बाल विकास विभाग के साथ मिलकर जिले को कुपोषण मुक्त काम कर ही रही हैं। कलेक्टर के आग्रह पर समिति ने बड़वारा और ढीमरखेड़ा ब्लॉक की 33 पंचायतों

बच्चों को पोषण किट का वितरण किया गया। इस दौरान मौके पर मौजूद अधिकारियों, कर्मचारियों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता एवं समाज सेवियों ने सभी माताओं से अपील की है कि बच्चों को सुपोषण बनाने में महत्वपूर्ण सहयोग दें। बड़वारा मे आयोजित कार्यक्रम के दौरान मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह ने कहा कि पोषण आहार किट देने के बाद

करेंगे। कार्यक्रम में बड़वारा ब्लॉक से महिला बाल विकास विभाग अधिकारी बड़वारा, सेक्टर प्रभारी, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता, मानव जीवन विकास समिति सचिव निर्भय सिंह, समस्त समिति स्टॉफ, अहिल्या बाई पूर्व सरपंच बरछेका, नीरज सिंह, राजेश सिंह, महेन्द्र जायसवाल सहित अन्य समाजसेवियों की भागीदारी रही है। ढीमरखेड़ा से समाजसेवी संतोष दुबे, पारस पटेल, ज्योति बैरागी, राजेश व्यौहार, जितेन्द्र अरोरा, दीपू बैरागी, श्रीकान्त पटेल, पर्यवेक्षक मंजू मिश्रा,

---

प्रदेश वॉच

आमला/चंदेरी/कुरावर/सारनी/सागर/कटनी/बरेली — भोपाल, शुक्रवार

कुपोषण से सुपोषण की अभिनव पहल

जिला कलेक्टर महोदय की अपील पर मानव जीवन विकास समिति ने 33

▸ कटनी संवाददाता।

---

7 दैनिक मध्यप्रदेश — कटनी, रविवार 04 फरवरी 202

कुपोषण से सुपोषण की अभिनव पहल : मानव जीवन विकास समिति ने 330 बच्चों को लिया गोद

जिले के बड़वारा और ढीमरखेड़ा ब्लॉक के बच्चों को सुपोषित बनायेंगे

औषधीय पौधो की खेती से किसानों की आर्थिक उन्नति हेतु प्रशिक्षण

राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड नई दिल्ली द्वारा स्वीकृत परियोजना (देवारण्य योजना) के उचित क्रियान्वयन हेतु किसानों को दो दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आयुष विभाग जिला कटनी और कृषि विज्ञान केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिकों के सहयोग द्वारा मानव जीवन विकास समिति ग्राम बिजौरी मझगवा में आयोजित किया गया हैं। जिसमें किसानो को अश्वगंधा, शतावर एवं तुलसी की कृषि तकनीक संग्रहण तकनीक एवं स्वैच्छिक प्रमाणन आदि विषयों पर प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण का शुभारम्भ भगवान धनवंतरि जी का पूजन एवं माल्यार्पण कर किया गया। प्रशिक्षण में वरिष्ठ कृषि वैज्ञानिकों द्वारा वर्तमान में औषधीय पौधे की मांग एवं मार्केटिंग आदि विषयों के बारे में विस्तार पूर्वक जानकारी दी गई। प्रशिक्षण में जिला आयुष अधिकारी डॉ॰ रितु द्विवेदी, कृषि वैज्ञानिक डॉ॰ के.पी. द्विवेदी, संचालक निर्भय सिंह, डॉ॰ एस.एस. सारस्वत सेवानिवृत्ति उद्यानिकी अधिकारी, डॉ॰ सिंह राठौर सहायक नोडल अधिकारी देवारण्य योजना, डॉ॰ हेम सिंह बड़वारा ब्लॉक नोडल अधिकारी, डॉ॰ प्रशांत कुमार रौठी ब्लॉक नोडल अधिकारी, डॉ॰ अब्दुल मु विजयराघवगढ़ ब्लॉक नोडल अधिकारी अ लगभग 40-45 किसान उपस्थित रहे।

धन्यवाद!

मानव जीवन विकास समिति

पता : ग्राम बिजौरी, पोस्ट मझगवां (बरही रोड), जिला कटनी म.प्र. पिन कोडः 483501
मो.नं. 9425157561
Email : mjvskatni@gmail.com
website : www.mjvs.org ,
Blogger - https://mjvskatni.blogspot.com/
Twitter - https://twitter.com/mjvs_katni_mp
Facebook - https://www.facebook.com/ngomjvskatni/
Instagram - https://www.instagram.com/manavjeevanvikassamiti/
Youtube- https://www.youtube.com/channel/UCiEnoE5h_oePCKrsea7rLWQ
Linkedin – https://www.linkedin.com/in/manav-jeevan-vikas-samiti-0b7559266